

शब्दावली

1	एक्सेस सेवा	सर्किट और/अथवा पैकेट स्विच उपकरण के द्वारा लाइसेंसधारी के नेटवर्क पर ध्वनि और/अथवा गैर-ध्वनि के संदेशों का संग्रहण, परिवहन, प्रेषण तथा वितरण एक्सेस सेवा है।
2	ए जी आर	समायोजित सकल राजस्व-ए जी आर अनुमति योग्य कटौतियों (यथा, लाइसेंस अनुबंधों के अनुसार, कॉल के परिवहन (आई यू सी)/रोमिंग हेतु अन्य दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को भुगतान किए गए पी एस टी एन प्रभार तथा सरकार को वास्तव में भुगतान किए गए सेवा/बिक्री कर) से घटाया गया सकल राजस्व है।
3	मूल सेवाएँ	एक सेवा प्रदाता को उपभोक्ताओं को पब्लिक स्विच नेटवर्क अथवा अनुगामी नेटवर्क का उपयोग करते हुए ध्वनि श्रेणी की कॉलों को समस्त दूरियों पर भेजने तथा ग्रहण करने की क्षमता अवश्य देनी चाहिए।
4	बी एस ओ	मूल सेवा ऑपरेटर-इनको अपने कवरेज क्षेत्रों में सी डी एम ए तकनीक का उपयोग करते हुए वायरलेस लोकल लूप (डब्ल्यू एल एल (एम)) पर सीमित मोबिलिटी सेवाओं को प्रदान करने की अनुमति थी।
5	बी डब्ल्यू ए	ब्रॉडबैंड वायरलेस एक्सेस
6	कॉल प्रभार	काल प्रभार परिवर्तनशील है तथा कॉलर के एक्सचेन्ज से प्राप्तकर्ता के एक्सचेन्ज तक कॉल को रूट करने के लिए उपकरण की लागत वसूलने हेतु दिए जाते हैं।
7	केपेक्स	पूँजीगत व्यय
8	कैरियर सेवायें	तार सहित या बेतार सुविधाओं का कॉलों के प्रारम्भ, समापन अथवा पारगमन हेतु, इंटरकनेक्शन प्रभार लगाने हेतु, घरेलू अथवा अंतर्राष्ट्रीय कॉलों का समाधान या समापन हेतु, खम्भों से संपर्क को शामिल करते हुए संयुक्त रूप से उपयोग की गई सुविधाओं के प्रभारों हेतु, सर्किटों के विशिष्ट उपयोग हेतु प्रभारों के लिए डेटा सर्किट या टेलीग्राफ सर्किट स्पीच सर्किट को शामिल करते हुए समर्पित या लीज्ड सर्किट का प्रावधान।
9	सी डी एम ए	कोड डिवीजन मल्टीपल एक्सेस (सी डी एम ए) बेतार सेवाओं को प्रदान करने हेतु एक तकनीक है।
10	सी एम टी एस	सेलुलर मोबाईल टेलीफोन सेवा-यह एक प्रकार की शार्ट-वेव एनालाग या डिजिटल दूरसंचार सेवा है जिसमें उपभोक्ता के मोबाईल फोन द्वारा एक निकट के ट्रांसमीटर से बेतार संपर्क होता है। ट्रांसमीटर के कवरेज का फैलाव एक सेल कहलाता है। जैसे ही सेलुलर मोबाईल उपभोक्ता एक सेल से या कवरेज क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र या सेल में जाता है, टेलीफोन प्रभावी रूप से स्थानीय सेल ट्रांसमीटर को हस्तांतरित हो जाता है।
11	डेटा सेवायें	डेटा के प्रभावी संप्रेषण हेतु बेतार या तारसहित सेवाओं तथा इस हेतु विशिष्ट रूप से बनाई गई सेवाओं तक पहुँच का प्रावधान।
12	डी ओ टी	दूरसंचार विभाग
13	प्रवेश शुल्क	डी ओ टी द्वारा निर्धारित एक मुश्त गैर-वापसी योग्य प्रवेश शुल्क का भुगतान लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस अनुबंध हस्ताक्षर करने से पूर्व करना होता है।
14	एफ ए टी	मुफ्त एयर टाइम

15	निश्चित लाइसेंस शुल्क व्यवस्था	राष्ट्रीय दूरसंचार नीति-1994 की व्यवस्था के दौरान लाइसेंसधारी बोली प्रक्रिया के माध्यम से चुने जाते थे तथा बोली प्रक्रिया के दौरान स्वीकार की गई वार्षिक लाइसेंस फीस की निश्चित राशि का भुगतान सरकार को करते थे।
16	एफ ओ सी	मुफ्त (फ्री ऑफ कॉस्ट)
17	एफ टी टी	फुल टॉक टाईम
18	जी आर	जी आर- स्थापना प्रभार, विलम्ब शुल्क, हैंडसेट्स (या अन्य किसी टर्मिनल उपकरण इत्यादि) की बिक्री से हुई आय, ब्याज, लाभांश, मूल्यवर्धित सेवाएं, अनुपरक सेवाएं, एक्सेस तथा इंटरकनेक्शन प्रभार, रोमिंग प्रभार, अधोसंरचना के स्वीकार्य साझेदारी से या अन्य विविध राजस्व को किसी भी प्रकार से संबंधित व्यय हेतु समायोजन के बगैर, शामिल कर सकल राजस्व होगा।
19	जी एस एम	मोबाईल दूरसंचार हेतु वैश्विक तंत्र, बेतार सेवाओं को प्रदान करने के लिए एक तकनीक है।
20	आई एल डी	अंतर्राष्ट्रीय लम्बी दूरी-आई एल डी मूलतः एक नेटवर्क परिवहन सेवा (बियरर भी कहा जाता है) है जो कि विदेशी कैरियरों द्वारा संचालित नेटवर्क को अंतर्राष्ट्रीय कनेक्टिविटी प्रदान करती है।
21	स्थापना प्रभार	उपभोक्ता टर्मिनल उपकरणों की स्थापना हेतु प्रभार
22	इंटरकनेक्शन प्रभार	अन्य सेवा प्रदाताओं पर नेटवर्क ऑपरेटरों द्वारा इंटरकनेक्शन सुविधा की लागत की वसूली हेतु, (रूटिंग, सिग्नलिंग तथा अन्य मूल सेवा क्रियाकलापों हेतु हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर को शामिल करते हुए) जो कि नेटवर्क ऑपरेटर द्वारा प्रदान किया गया है, लगाया गया एक प्रभार
23	इंटरनेट सेवाएँ	इंटरनेट में एक्सेस, उपयोग करने अथवा भाग लेने हेतु प्रदत्त इंटरनेट सेवाएँ।
24	इंटरनेट टेलीफोनी	इंटरनेट टेलीफोनी वायस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल (वी ओ आई पी) पर आधारित डिजिटल दूरसंचार सेवाएँ प्रदान करती है जो कि इंटरनेट के माध्यम से प्रावधानित हैं।
25	आई ओ टी	अंतर-ऑपरेटर ट्रैफिक
26	आई पी-I	अधोसंरचना प्रदानकर्ता श्रेणी-I-आई पी-I हेतु कोई लाइसेंस जारी नहीं किया जाता है। आई पी-I के तहत पंजीकृत कंपनी डार्क फाईबर, राइट ऑफ वे, डक्ट स्पेस तथा टावर जैसे संसाधन प्रदान कर सकती है।
27	आई पी-II	अधोसंचरना प्रदानकर्ता श्रेणी-II एक आई पी-II लाइसेंसी एक सिरे से अन्तिम सिरे तक तक बैण्डविड्थ यथा, संदेश का परिवहन करने में सक्षम एक डिजिटल संप्रेषण क्षमता, लीज पर/किराए पर दे सकता है/बेच सकता है। आई पी-2 लाइसेंस 14.12.05 की तिथि से जारी होना बंद हो गया है।
28	आई एस पी	इंटरनेट सेवा प्रदाता
29	आई एस पी (आई टी)	इंटरनेट सेवा प्रदाता (इंटरनेट टेलीफोनी शामिल करते हुए)
30	आई यू सी	इंटरकनेक्शन उपयोग प्रभार जैसा क्रमांक 16 में बताया गया है।
31	लाइसेंस शुल्क	लाइसेंसधारी समायोजित सकल राजस्व (ए जी आर) के प्रतिशत के रूप में, डी ओ टी द्वारा प्रदान किए गए लाइसेंसों के आधार पर दूरसंचार सेवाओं को प्रदान करने के लिए लाइसेंस शुल्क का भुगतान करेगा।
32	एल एस ए	लाइसेंसड सेवा क्षेत्र (परिमंडल)

33	माईक्रोवेव एक्सेस	जी एस एम तथा सी डी एम ए आधारित दूरसंचार सेवा प्रदाताओं हेतु माईक्रोवेव (एम डब्ल्यू) एक्सेस सामान्यतः 10 गीगाहर्ट्ज फ्रीक्वेंसी बैंड तथा इसके अधिक में होता है।
34	माईक्रोवेव बैकबोन	जी एस एम तथा सी डी एम ए आधारित दूरसंचार सेवा प्रदाताओं हेतु माईक्रोवेव (एम डब्ल्यू) बैकबोन नेटवर्क सामान्यतः 10 गीगाहर्ट्ज फ्रीक्वेंसी बैंड से नीचे होते हैं।
35	एम ओ सी एण्ड आई टी	संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
36	एन एल डी	राष्ट्रीय लम्बी दूरी – राष्ट्रीय लम्बी दूरी (एन एल डी) सेवा स्विच्छ-बियरर दूरसंचार सेवाओं के लम्बी दूरी नेटवर्क, यथा – विभिन्न छोटी दूरी आवेशीय क्षेत्रों (एस डी सी ए) को आपस में जोड़ने हेतु एक नेटवर्क, परिवहन को कहते हैं।
37	एन टी पी -94	राष्ट्रीय दूरसंचार नीति -1994
38	एन टी पी -99	नवीन दूरसंचार नीति -1999
39	ओपेक्स	संचालनगत व्यय
40	पी एस पी	निजी सेवा प्रदाता
41	पी एस टी एन प्रभार	पब्लिक स्विच्छ दूरसंचार नेटवर्क प्रभार
42	राजस्व हिस्सेदारी व्यवस्था	नवीन दूरसंचार नीति-99 ने 'राजस्व हिस्सेदारी' व्यवस्था का प्रारंभ किया जिसमें एक निश्चित लाइसेंस फीस के स्थान पर दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को उनके समायोजित सकल राजस्व (ए जी आर) के प्रतिशत के रूप में लाइसेंस फीस का भुगतान करना होता था।
43	रोमिंग प्रभार	सेलुलर उपभोक्ता हेतु रोमिंग, विजिटेड नेटवर्क के माध्यम से, स्वचालित रूप से ध्वनि कॉलों को करने तथा प्राप्त करने, डेटा को भेजने तथा प्राप्त करने, अथवा अन्य सेवाओं को प्राप्त करने की क्षमता है, जब वह घरेलू नेटवर्क के भूगोलीय कवरेज क्षेत्र से बाहर गमन कर रहा हो। इस सुविधा हेतु प्रभार रोमिंग प्रभार कहलाते हैं।
44	बिक्री कर	बिक्री कर एक उपभोग कर है जो कि सरकार द्वारा सामानों एवं सेवाओं की बिक्री पर लगाया जाता है।
45	सेवा कर	सेवा प्रदाताओं द्वारा दी जाने वाली चुनिंदा सेवाओं पर सरकार द्वारा लगाया गया कर सेवा कर है, परंतु यह वास्तव में उपभोक्ताओं द्वारा वहन किया जाता है। यह अप्रत्यक्ष कर के अंतर्गत श्रेणीबद्ध किया गया है और वित्तीय एक्ट 1994 के द्वारा अस्तित्व में आया।
46	एस यू सी	स्पेक्ट्रम उपयोग प्रभार – लाइसेंस फीस के अतिरिक्त, बेतार सेवा प्रदाताओं को ए जी आर के प्रतिशत के रूप में स्पेक्ट्रम उपयोग प्रभार का भुगतान करना होता है।
47	अनुपूरक सेवाएँ	जी एस एम तीन प्रकार की मूलभूत सेवा प्रदान करता है: टेलीफोनी सेवाएँ या टेलीसर्विसेज, डेटा सेवाएँ या बियरर सेवाएं तथा अनुपूरक सेवाएँ। अनुपूरक सेवाये वह अतिरिक्त सेवाएँ है जो टेलीसर्विसेज व बियरर सेवाओं के अलावा प्रदान की जाती है। इन अनुपूरक सेवाओं में कॉलर आईडेन्टिफिकेशन कॉल अग्रोषण, कॉल होल्ड, कॉल प्रतीक्षा, कानफ्रेसिंग, नम्बर आईडेन्टिफिकेशन, क्लोज्ड यूजर ग्रुप तथा बाहर जाने वाली (अंतर्राष्ट्रीय) कालों पर प्रतिबंध शामिल हैं।
48	टी बी	ट्रायल बैलन्स

49	टी डी सैट	दूरसंचार विवाद निवारण तथा अपीलीय ट्रिब्यूनल (टेलीकॉम डिस्प्यूट्स सेटलमेंट एण्ड अपीलेट ट्रिब्यूनल)
50	टर्मिनल उपकरण	संचार सर्किट या चैनल के समापन बिन्दु को बनाने वाला एक उपकरण। टर्मिनल उपकरण में वॉयस् टर्मिनल उपकरण तथा डेटा टर्मिनल उपकरण को शामिल करते हुए उपभोक्ता के परिसर में लगे सभी उपकरण शामिल हैं।
51	टी आर ए आई (ट्राई)	भारत का दूरसंचार नियामक प्राधिकरण
52	यू ए एस एल	समेकित एक्सेस सेवा लाइसेंस – यू ए एस एल सेवा एक विनिर्दिष्ट सेवा क्षेत्र में लाइसेंसधारी के नेटवर्क पर ध्वनि तथा/अथवा गैर-ध्वनि संदेशों का संग्रहण, परिवहन, संप्रेषण तथा वितरण को आवृत करती है तथा समस्त प्रकार की एक्सेस सेवाओं के प्रावधान को शामिल करती है। एक्सेससेवा प्रदाता इंटरनेट टेलीफोनी, इंटरनेट सेवाएं तथा ब्राडबैंड सेवाएं भी प्रदान कर सकता है। अगर आवश्यकता हो, तो एक्सेस सेवा प्रदाता एन एल डी/आई एल डी सेवा के लाइसेंसधारी का नेटवर्क उपयोग कर सकता है। एक्सेस सेवा तारसहित तथा/अथवा बेतार एवं फिक्स्ड बेतार सेवा को, शामिल करती है, परन्तु यही तक सीमित नहीं है।
53	यू एल	समेकित (यूनीफाईड) लाइसेंस – लाइसेंसधारी किसी भी तकनीक का इस्तेमाल कर सेवा क्षेत्रों में निर्धारित मानकों के अनुसार इस लाइसेंस के तहत प्राधिकृत सेवाओं के दायरे में, दूरसंचार नेटवर्कों तथा दूरसंचार सेवाओं को स्थापित, संचालित तथा रखरखाव कर सकता है। यदि लाइसेंसधारी एक्सेस स्पेक्ट्रम को प्राप्त कर लेता है तो तकनीक के इस्तेमाल में स्पेक्ट्रम के आवंटन से संबंधित नियम व शर्तें लागू होंगी।
54	यू एस ओ	वैश्विक सेवा कर्तव्य (यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन) – एन टी पी -99 ने प्रावधान किया गया था कि यू एस ओ को पूरा करने के लिए संसाधन “यूनिवर्सल एक्सेस लेवी (यू ए एल)” के माध्यम से जुटाए जाएंगे, जो ऑपरेटरों द्वारा विभिन्न लाइसेंसों के अंतर्गत अर्जित किए गए राजस्व का प्रतिशत होगा।
55	मूल्यवर्धित सेवाएँ (वैल्यू ऐडेड सर्विस)	मूल्यवर्धित सेवाएँ (वी ए एस) गैर- मूल (नॉन कोर) सेवाओं के लिए या संक्षेप में, मानक ध्वनि कॉलों एवं फैक्स संप्रेषण के अलावा समस्त सेवाओं के लिए दूरसंचार उद्योग में एक प्रचलित शब्द है। दूरसंचार उद्योग में सैद्धांतिक स्तर पर मूल्यवर्धित सेवा, मानक सेवा में मूल्यवर्धन करती है।
56	वी सैट	(वैरी स्मॉल एपर्चर टर्मिनल) – वी सैट लाइसेंस को भारत की प्रादेशिक सीमाओं के भीतर गैर-अनन्य आधार पर इनसैट उपग्रह तंत्र के माध्यम से वी सैट क्लोज्ड यूजर ग्रुप घरेलु डेटा नेटवर्क सेवा को स्थापित, लगाना, संचालन तथा रखरखाव करना है।
57	डब्ल्यू एफ डी	डी ओ टी की बेतार वित्तीय शाखा
58	डब्ल्यू एल एल (एम)	वायरलैस इन लोकल लूप (मोबाईल)
59	डब्ल्यू पी सी प्रभार	डी ओ टी के बेतार प्लानिंग तथा को-ऑर्डिनेशन शाखा द्वारा लगाया गया प्रभार